

भाकृअनुप-निन्फेट और ट्राइडेंट ग्रुप सहयोग के लिए आगे आए

कोलकाता, 15 मई, 2026:

भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान ने भारत की निर्यात क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, नए जमाने के रेशा-आधारित होम टेक्सटाइल (घरेलू वस्त्रों) के व्यावसायीकरण में तेजी लाने के लिए ट्राइडेंट ग्रुप के साथ एक रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है। संस्थान के अपने दौरे के दौरान भाकृअनुप-निन्फेट के निदेशक डॉ. डी.बी. शाक्यवार ने ट्राइडेंट ग्रुप के फंक्शनल हेड डॉ. निमाई चंद्र राय का स्वागत किया। डॉ. शाक्यवार ने उन्हें संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों, आउटरीच गतिविधियों (प्रसार कार्यों) और भविष्य की अनुसंधान दिशाओं के बारे में जानकारी दी। डॉ. राय ने प्राकृतिक रेशों की वैश्विक मांग पर प्रकाश डाला और अंतर्राष्ट्रीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों के साथ विस्तृत चर्चा की, विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया और चल रहे शोध प्रस्तुतीकरणों पर बहुमूल्य सुझाव दिए। ट्राइडेंट ग्रुप और भाकृअनुप-निन्फेट ने संयुक्त अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और टिकाऊ (सस्टेनेबल) प्राकृतिक रेशा-आधारित कपड़ा उत्पादों के व्यावसायीकरण के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर करने में आपसी रुचि व्यक्त की है। प्रस्तावित सहयोग का उद्देश्य घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक होम टेक्सटाइल उत्पादों में 'लिनन' जैसे कॉटनाइज्ड जूट (कपास के समान बनाए गए जूट), भांग (हेम्प), और अलसी (लिसीड) के रेशों के मिश्रण से जुड़ी नवीन तकनीकों को बदलना है।

यह सहयोग उन्नत प्रसंस्करण (एडवांस्ड प्रोसेसिंग), कॉटनाइजेशन, सम्मिश्रण (ब्लेंडिंग), कटाई (स्पिनिंग), बुनाई (वीविंग) और फिनिशिंग प्रौद्योगिकियों के माध्यम से प्राकृतिक बास्ट रेशों (bast fibres) का उपयोग करके पर्यावरण-अनुकूल और उच्च मूल्य वाली कपड़ा सामग्रियों के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा। भाकृअनुप-निन्फेट, प्राकृतिक रेशा इंजीनियरिंग, रेशा निष्कर्षण (एक्स्ट्रैक्शन), रेटिंग (सड़ाने की प्रक्रिया), प्रसंस्करण और उत्पाद विकास में अपनी विशेषज्ञता के साथ तकनीकी सहायता और अनुसंधान इनपुट प्रदान करेगा; जबकि ट्राइडेंट ग्रुप औद्योगिक विशेषज्ञता, विनिर्माण क्षमताओं, उत्पाद विकास और बाजार पहुंच में अपना योगदान देगा।

इस प्रस्तावित साझेदारी से पारंपरिक रेशों के टिकाऊ विकल्पों को बढ़ावा देकर, कृषि अवशेषों के मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) को बढ़ाकर, ग्रामीण आजीविका का समर्थन करके और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार कपड़ा निर्माण में योगदान देकर भारत में प्राकृतिक रेशा पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) के मजबूत होने की उम्मीद है। यह सहयोग सतत विकास, बायोइकोनॉमी (जैव-अर्थव्यवस्था), आत्मनिर्भर भारत और हरित औद्योगिक विकास पर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के भी अनुरूप है।

(स्रोत: भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

ICAR-NINFET and Trident Group looking forward to Join Hands

Kolkata, May 15, 2026 – ICAR-NINFET has announced a strategic collaboration with Trident Group to accelerate commercialization of new-age fibre-based home textiles, aimed at boosting India's export potential.

Dr. D.B. Shakyawar, Director, ICAR-NINFET, welcomed Dr. Nemai Chandra Ray, Functional Head, Trident Group, during his visit to the institute. Dr. Shakyawar briefed him on the institute's developed technologies, outreach activities, and future research directions.

Dr. Ray highlighted the global demand for natural fibres and emphasized the importance of collaborative efforts to meet international market needs. He engaged in detailed discussions with scientists, visited various laboratories, and provided valuable suggestions on ongoing research presentations.

Trident Group and ICAR-NINFET have expressed mutual interest in signing a Memorandum of Understanding (MoU) for collaborative research, technology development, and commercialization of sustainable natural fibre-based textile products. The proposed collaboration aims to translate innovative technologies related to linen-inspired cottonised jute, hemp, and linseed fibre blends into commercially viable home textile products for domestic and international markets.

The collaboration will focus on the development of eco-friendly and high-value textile materials by utilizing natural bast fibres through advanced processing, cottonisation, blending, spinning, weaving, and finishing technologies. ICAR-NINFET, with its expertise in natural fibre engineering, fibre extraction, retting, processing, and product development, will provide technological support and research inputs, while Trident Group will contribute industrial expertise, manufacturing capabilities, product development, and market outreach.

The proposed partnership is expected to strengthen the natural fibre ecosystem in India by promoting sustainable alternatives to conventional fibres, enhancing value addition to agricultural residues, supporting rural livelihoods, and contributing towards environmentally responsible textile manufacturing. The collaboration also aligns with national priorities on sustainable development, bioeconomy, Atmanirbhar Bharat, and green industrial growth.

(Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)

Glimpses of the programme:



Dr. Nemai Chandra Ray, Functional Head, Trident Group with Dr. D.B. Shakyawar, Director, ICAR- NINFET.



Interface Meeting with the Scientists of ICAR- NINFET.



Dr. Ray visiting the labs.



Dr. Ray with the Scientist of ICAR- NINFET